No. of Printed Pages : 7

EHI-04

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

(BDP)

Term-End Examination

June, 2021

EHI-04 : INDIA FROM 16TH CENTURY TO MID-18TH CENTURY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *This question paper has **three** Sections. The students have to attempt any **two** questions in about **500** words each from Section I, any **four** questions in about **250** words each from Section II and any **two** short notes in about **100** words each from Section III. The marks are mentioned against each question.*

Section—I

1. Give a detailed account of the administration and economy under Shershah. 20

2. In what respect Jahangir and Shahjahan's policy towards the Deccan states was a shift from Akbar's policy ? 20

3. Analyse the role of European trading companies in the commercial activities in India during the Mughal rule. 20

4. Analyse the development of Sufi philosophy in the Islamic world. Give a brief account of the development in Chishti Silsila in India. 20

Section—II

5. Critically analyse the problems faced by Humayun and how did he overcome them. 12

6. Write a note on Mughal-Rajput relations during the 17th century. 12

7. Trace the evolution of Mughal ruling class during the 16th-17th centuries. 12

8. Give a brief account of the nature of revenue free grants (*madad-i-maas*h) under the Mughals. 12

9. Write a brief note on the personnel of trade during the 16th-17th centuries. 12

10. Analyse Aurangzeb's attitude towards religion. 12

11. Account for the growth of Hindi language during the medieval period. How did Bhakti movement contribute in it ? 12

12. Analyse the pattern of emergence of autonomous kingdoms during the 18th century. 12

Section—III

13. Write short notes on any ***two*** of the following in **100** words each : 6+6

    (i) Ashtapradhan

    (ii) *Zat* and *Sawar* rank

    (iii) Mughal mints

    (iv) Raja Krishnadevaraya's contribution in literature

EHI-04

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

EHI-04 : भारत—16वीं शताब्दी से 18वीं शताब्दी के मध्य तक

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में तीन खण्ड हैं। विद्यार्थियों को खण्ड I में से कोई* ***दो*** *प्रश्न लगभग* ***500*** *शब्दों में (प्रत्येक), खण्ड II में से कोई* ***चार*** *प्रश्न लगभग* ***250*** *शब्दों में (प्रत्येक) तथा खण्ड III में से कोई* ***दो*** *संक्षिप्त टिप्पणियाँ लगभग* ***100*** *शब्दों में (प्रत्येक) करने हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित हैं।*

खण्ड–I

1. शेरशाह के अधीन प्रशासन तथा अर्थव्यवस्था का विस्तृत विवरण दीजिए। 20

2. किन अर्थों में दक्खनी राज्यों के प्रति जहाँगीर और शाहजहाँ की नीतियाँ अकबर की नीति से भिन्न थीं ? 20

3. मुगलकाल में यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों की भारत में व्यावसायिक गतिविधियों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 20

4. इस्लामिक विश्व में सूफी दर्शन के विकास का विश्लेषण कीजिए। भारत में चिश्ती सिलसिले के विकास का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 20

खण्ड–II

5. हुमायूँ द्वारा किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा तथा उसने इसमें किस प्रकार सफलता पाई, आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। 12

6. 17वीं शताब्दी में मुगल-राजपूत संबंधों पर एक टिप्पणी लिखिए। 12

7. 16-17वीं शताब्दियों में मुगल शासक वर्ग के विकास की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए। 12

8. मुगलों के अधीन राजस्व मुक्त भू-अनुदानों (मदद-ए-माश) की प्रकृति का संक्षिप्त विवरण दीजिए। 12

9. 16-17वीं शताब्दियों में व्यापारी वर्ग पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 12

10. औरंगज़ेब का धर्म के प्रति नज़रिया का विश्लेषण कीजिए। 12

11. मध्यकाल में हिन्दी भाषा के विकास की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए। भक्ति आन्दोलन ने इसमें किस प्रकार योगदान दिया ? 12

12. 18वीं शताब्दी में स्वायत्त राज्यों के उदय के पैटर्न का विश्लेषण कीजिए। 12

खण्ड–III

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर लगभग **100** शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 6+6

(क) अष्टप्रधान

(ख) जात और सवार पद

(ग) मुगल टकसालें

(घ) साहित्य के क्षेत्र में राजा कृष्णदेवराय का योगदान